Date :- 14/5/2020	Degree Part-II (Hons.)
Content Writer :-	Paper - II
Dr. Akhay Kumar Pathak Deptt. of Economics, Marwari College, Darbhanga (LNMU)	Content of Paper :- Micro Economics Module - 3

TOPIC :- LAW OF DIMINISHING RETURNS AND ITS IMPORTANCE

(उत्पत्ति ह्रास नियम एवं इसका महत्व)

Scanned with CamScanner

उत्पत्ति के नियम के विश्लेषण के अंतर्गत अल्पकाल में Input में परिवर्तन के फलस्वरूप output में होनेवाले परिवर्तन के दर का अध्ययन किया जाता है। जब कोई फर्म उत्पादन के कुछ साधनों को स्थिर रखकर अधिकतम उत्पादन हेतु अन्य साधनों की मात्रा में परिवर्तन करती है तो सीमान्त उत्पादन में पहले वृद्धि होती है, उसके बाद वह स्थिर रहता है तथा अंत में ह्रास होता है। आधुनिक अर्थशास्त्री इन तीनों अवस्थाओं को नियम परिवर्तनशील अनुपातों के नियम के रूप में व्याख्या करते हैं।

उत्पत्ति ह्रास नियम की व्याख्या आधुनिक अर्थशास्त्रियों द्वारा अधिक विस्तृत रूप में की गयी है। यह नियम कृषि क्षेत्र को छोड़कर उत्पादन के सभी क्षेत्रों में लागू होता है। इस नियम को परिभाषित करते हुए प्रो० जॉन रॉबिन्सन ने कहा है कि "उत्पत्ति ह्रास नियम यह बताता है कि किसी एक उत्पादन साधन की मात्रा निश्चित रखने पर एक बिन्दु के पश्चात अन्य साधनों की प्रत्येक अगली वृद्धि से उत्पत्ति में घटती हुयी दर पर वृद्धि होगी।" इस प्रकार जॉन रॉबिन्सन एक साधन

को स्थिर रखकर अन्य साधनों को परिवर्तनशील मानती है।

उत्पत्ति ह्रास नियम या परिवर्तनशील अनुपातों का नियम निम्नांकित तीन शर्तों पर आधारित है:-

(i) उत्पत्ति के एक साधन के अलावा अन्य सभी साधनों की मात्राएँ स्थिर रहती है।

(ii) तकनीकी ज्ञान स्थिर रहता है।

(iii) उत्पत्ति के साधनों के संयोग का अनुपात परिवर्तनशील होता है।

उत्पत्ति ह्रास नियम की मान्यताएँ:-

(1) यह मान लिया जाता है कि वितरण, उत्पादन विधि एवं प्राविधिक ज्ञान इत्यादि में कोई परिवर्तन नहीं होता है।

(2) इस नियम का संबंध उत्पादन की मात्रा से है, न कि उत्पादित वस्तुओं के मूल्य से।

(3) यह नियम इस मान्यता पर आधारित है कि उत्पादन साधनों को कम से कम परिवर्तनशील साधनों की छोटी-छोटी समान इकाईयों में विभाजित किया जा सकता है।

(4) परिवर्तनशील साधनों की सभी इकाईयाँ एक ही कार्यकुशल मानी जाती है।

Scanned with CamScanner

(5) यह नियम उसी समय लागू होगा जबकि एक साधन स्थिर तथा अन्य साधन परिवर्तनशील हो या कम से कम एक साधन परिवर्तनशील हो। मुख्य बात यह है कि कोई साधन परिवर्तनशील नहीं माने जाते हैं क्योंकि यह विवेचना अल्पकाल से ही संबंधित होती है, जिसमें संयंत्र या प्लान्ट की क्षमता भी शामिल रहती है।

उत्पत्ति ह्रास नियम लागू होने के कारण :—

निम्नांकित कारणों से उत्पत्ति ह्रास नियम लागू होता है :—

(i) स्थिर साधन का अल्प प्रयोग।
(ii) साधनों की अविभाज्यता।
(iii) साधनों की सीमितता।
(iv) अनुकूलतम आकार के बढ़ जाने पर
(v) उत्पादन साधनों का पूर्ण स्थानापन्न नहीं होना।

उत्पत्ति ह्रास नियम का महत्व :—

(i) यह नियम सर्वव्यापी है।
(ii) माल्थस के जनसंख्या सिद्धांत का आधार।
(iii) रिकार्डो के लगान सिद्धांत का आधार।
(iv) सीमान्त उत्पादन सिद्धांत का आधार।
(v) नीति स्तर पर प्रभाव।
(vi) आविष्कारों के लिए प्रेरणा।
(vii) जनसंख्या का आवास-प्रवास।

Scanned with CamScanner